मध्यमा द्वितीय वर्ष

तबला-पखावज

पूर्णांक:250, **न्यूनतम**:88

क्रियात्मक:130 **न्यूनतम**:53,

शास्त्र:100, **न्यूनतम**:35

शास्त्र:

1) गायकी की विभिन्न शैलियाँ: धृपद, धमार, गझल, टप्पा
2) तबला/पखावज का इतिहास : प्राचीन काल से आधुनिक काल तक परिवर्तन तथा विकास
3) तबला/पखावज के सभी घराने तथा उनके बाज की जानकारी
4) गायन वादन तथा नृत्य की संगत तथा उनके नियमों की जानकारी
5) तबला :- त्रिताल, झपताल तथा रूपक ताल को आड, कुआड तथा बिआड में लिपिबद्ध करने की क्षमता
   पखावज :- चौताल, सूलताल, तथा धमार
6) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा:
   आमद, त्रिपल्ली, चौपल्ली, गत कायदा, कमाली चक्रदार
7) निम्नलिखित वादकों का जीवन परिचय तथा उनका सांगीतिक योगदान
   उ. अहमदजान थिरकवा, उ. अमीत हुसेन खाँ साहेब,
   उ. अल्लारखाँ, उ. हबीबुद्दीन खाँ, पं. सामताप्रसाद, उ. आफाक हुसैन, स्वामी पागलदासजी, राजा छत्रपती सिंह
8) ताल तथा तबला/पखावज संबंधी विषयों पर निबंध
9) निम्नलिखित संकल्पनाओं का तुलनात्मक अध्ययन:-
   तबला:- पेशकार-कायदा-रेला
   पखावज:- साथपरन, -गत परन- बोलपरन

क्रियात्मक:

1) निम्नलिखित तालों कें ठेके ताली देकर दुगुना सहित बोलना तथा बजाना
   तबला:- झूमरा, पंजाबी, धमार
   पखावज:- गजझंपा, मत्त, रूद्र
2) तबला-ताल एकताल और त्रिताल में बडे ख्याल के साथ संगत करने की क्षमता
   पखावज-धृपद, धमार तथा सादरा के साथ संगत करने की क्षमता
3) उपरोक्त तालों की साथ संगत में विलंबित लय में उनमे मुखडे लगा कर सम पर आने का अभ्यास
4) तबला/पखावज को उचित ढंग से स्वर मे मिलाने का अभ्यास
5) निम्नलिखित तालों में विस्तार
   (तबला के विद्यार्थी):-
   अ) त्रिताल : पेशकार, तिस्र, चतुस्र जाति के कायदे, तिरकिट, धिरधिर, दिनतक के रेले, गत, चक्रदार

टुकडे आदि बजाकर 20 मिनिट तक स्वतंत्र वादन करने की क्षमता

ब) रुपक, झपताल तथा एकताल इन तालों में तैयारी के साथ कायदे, रेले, टुकडे (न्यूनतम 2-2 प्रकार) आदि बजाने की क्षमरा

क) त्रिताल का ठेका द्रुतलय में बजाने की क्षमता

(पखावज के विद्यार्थी):-

अ) चौताल में 20 मिनिट का स्वतंत्र एकल वादन (संपूर्ण अंग से)

ब) तीव्रा, सूलताल, तथा धमार, इन तालों मे तैयारी के साथ 10 मिनिट का एकल वादन

क) चौताल/धमार का ठेका द्रुतलय बजाने की क्षमता

अंकपत्रिका:

सूचना: १) इस परीक्षा के लिए हर एक विद्यार्थी को 35 मिनिट का समय निर्धारित किया गया है|

२) विद्यार्थी को सभी वादन लहरा के साथ करना होगा|

३) पखावज के लिए पाठ्यक्रमानुसार पखावज के ताल पूछे जाएँगे|

1) तालों के ठेके तथा उनकी दुगुन बजाना	-	10 अंक
2) साथ संगत	-	15 अंक
3) विलंबित लय के तालों में मुखडा लगाकर समपर आना	-	10 अंक
4) वाद्य स्वर में मिलाना	-	05 अंक
5) त्रिताल में वादन(पाठ्यक्रमानुसार)	-	50 अंक
6) रुपक, झपताल तथा एकताल में अभ्यासक्रम के अनुसार वादन(सभी तालों को समान अंक)	-	45 अंक
7) त्रिताल का ठेका द्रुतलय में बजाना	-	05 अंक
8) निकास तथा तैयारी	-	05 अंक
9) सामान्य प्रभाव	-	05 अंक

कुल मौखिक - 150 अंक